ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-12-2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-12-07	2024-12-08	2024-12-09	2024-12-10	2024-12-11
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	1.0	1.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	22.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	5.0	6.0	6.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	72	70	72	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	5	8	9	5
पवन दिशा (डिग्री)	320	330	120	130	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	5	4	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (29 नवंबर से 5 दिसंबर) में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.2 से 27.0 डिग्री सेल्सियस और 6.3 से 9.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह मौसम साफ रहा। सुबह की सापेक्षिक आर्द्रता 0712 बजे 88 से 97% के बीच और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता 1412 बजे 31 से 43% के बीच रही। हवा की गति 0.7 से 1.8 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार 8 और 9 दिसंबर को 1.0 मिमी की हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 22.0-23.0 डिग्री सेल्सियस और 5.0-6.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 8 और 9 दिसंबर को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की वर्षा होने की संभावना है, जबकि शेष दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। अलग-अलग स्थानों पर आंधी-तूफान और बिजली गिरने की घटना के संबंध में पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट "दामिनी" ऐप से प्राप्त कर सकते हैं। यह दोनों ऐप गूगल स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध है। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.10-0.30 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 6.12.2024 से 12.12.2024 के दौरान सामान्य वर्षा और सामान्य अधिकतम तापमान के साथ न्यूनतम तापमान से काफी कम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

हल्की बूंदाबांदी का अनुमान है तथा 8 दिसंबर के लिए पीली चेतावनी दी गई है, इसलिए खेती-किसानी की गतिविधियां उसी के अनुसार निर्धारित की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ना	पेड़ी गन्ने की कटाई करनी चाहिए ताकि गेहूं की बुआई हो सके और शरदकालीन गन्ने की सिंचाई आवश्यकतानुसार करनी चाहिए। शरद ऋतु में बोई गई फसल में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई का कार्य करना चाहिए।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	फसलों में आवश्यकता अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए, तथा देर से पकने वाली किस्मों में, फली छेदक की उपस्थिति पर अनुशंसित प्रथाओं को अपनाया जाना चाहिए।
चना	देर से बुआई होने वाली किस्मो को महीने के पहले पखवाड़े तक बो लेना चाहिए। देर से बुआई में लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए जबकि बुआई के समय बीज का जैव उपचार 200 ग्राम राइजोबियम एवं पीएसबी प्रति 10 किलोग्राम बीज से करना चाहिए। पिछले माह में जो फसल बोई गई है उसकी निरंतर निगरानी के साथ तदनुसार खेती का कार्य किया जाना चाहिए ।
मसूर की दाल	देर से बुआई होने वाली किस्मो को महीने के पहले पखवाड़े तक बो लेना चाहिए। देर से बुआई में लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए जबकि बुआई के समय बीज का जैव उपचार 200 ग्राम राइजोबियम एवं पीएसबी प्रति 10 किलोग्राम बीज से करना चाहिए। पिछले माह में जो फसल बोई गई है उसकी निरंतर निगरानी के साथ तदनुसार खेती का कार्य किया जाना चाहिए ।
रेपसीड	देर से बोई गई फसलों की निगरानी की जानी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई की जानी चाहिए। सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
सरसों	देर से बोई गई फसलों की निगरानी की जानी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई की जानी चाहिए। सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
गेहूँ	फसल की देर से बुआई दिसंबर के दूसरे पखवाड़े तक करनी चाहिए तथा उचित उपचारित बीज एवं बुआई विधि अपनानी चाहिए। पहले से बोई गई फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। शेष नाइट्रोजन की आधी मात्रा पहली सिंचाई के बाद डालनी चाहिए।
जौ	फसल की देर से बुआई माह के प्रथम पखवाड़े तक करनी चाहिए तथा उचित उपचारित बीज एवं बुआई विधि अपनानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। परिपक्व फूल की कटाई करें। गोभी की फसलों में पत्ती धब्बा रोग को नियंत्रित करने के लिए, मेन्कोजेब 75 डब्ल्यूपी को 2-3 बार डालना चाहिए। रोग को नियंत्रित करने के लिए गर्म पानी के बीज उपचार का उपयोग करना चाहिए।
टमाटर	टमाटर की ऊपरी पत्तियों के सिकुड़ने या चितकबरे होने पर संक्रमित पौधों को निकालकर नष्ट कर देना चाहिए। फसल में रोग फैलाने वाले कीटों की जांच करनी चाहिए और उसके अनुसार नियंत्रण करना चाहिए। परिपक्व फलों की तुड़ाई कर लेनी चाहिए।
मूली	यूरोपियन किस्म को 6-8 किग्रा/हेक्टेयर तथा एशियाई किस्म को 10-12 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है, जबकि पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20-25 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 8-10 सेमी होनी चाहिए।
शिमला मिर्च	नर्सरी में बुवाई की जा सकती है और 4-8 सप्ताह बाद पौधों को रोपा जा सकता है।
गाजर	यूरोपीय किस्म को 5-6 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है, पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20-40 सेमी होनी चाहिए तथा पौधे से पौधे की दूरी 15-20 सेमी होनी चाहिए।
चुकंदर	यूरोपियन किस्म को 7-10 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है, जिसमें पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30-45 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी होनी चाहिए।
सब्जी पीईए	बुवाई 80-120 किग्रा/हेक्टेयर की दर से की जा सकती है, लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सेमी होनी चाहिए। बढ़ती फसल की निगरानी की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखी घास, धान के अवशेष (पुवाल) आदि जो पशुओं के चारे के रूप में उपयोग नहीं किए जाते हैं, उन्हें शेड में पशुओं के लिए बिस्तर सामग्री के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरवाजे और खिड़की को अच्छी तरह से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा पशुशाला में प्रवेश न कर सके। पशुओं के बैठने के स्थान को समतल करना चाहिए। सलाह दी जाती है कि हरे चारे को सूखे

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	चारे में मिलाकर पशुओं को दिया जा सकता है अन्यथा पशु टिम्पेटी रोग से संक्रमित हो सकते हैं जिससे पशुओं की मृत्यु हो जाती है।
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखी घास, धान के अवशेष (पुवाल) आदि जो पशुओं के चारे के रूप में उपयोग नहीं किए जाते हैं, उन्हें शेड में पशुओं के लिए बिस्तर सामग्री के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरवाजे और खिड़की को अच्छी तरह से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा पशुशाला में प्रवेश न कर सके। पशुओं के बैठने के स्थान को समतल करना चाहिए। सलाह दी जाती है कि हरे चारे को सूखे चारे में मिलाकर पशुओं को दिया जा सकता है अन्यथा पशु टिम्पेटी रोग से संक्रमित हो सकते हैं जिससे पशुओं की मृत्यु हो जाती है।